



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (1)
PART II—Section 3—Sub-section (1)

प्रधानमंत्री द्वारा प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

AP
11/9/88

सं. 518] नई दिल्ली, वृश्चिकाश्वार, सितम्बर 29, 1988/आस्विन 7, 1910
No. 518] NEW DELHI, THURSDAY, SEPTEMBER 29, 1988/ASVINA 7, 1910

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या वी जाती है कि यह अमर लंकासम के रूप में
रखा जा रहा

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a
separate compilation

विसं भंत्रालय

(राजस्व विभाग)

नई दिल्ली, 29 सितम्बर, 1988

अधिसूचना

मं. 269/88-सीमाशुल्क

ना. का. नि. 963 (अ) :—केन्द्रीय सरकार, सीमाशुल्क अधिनियम, 1962 (1962 आ 52) की धारा 25 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त विभिन्नों का प्रयोग करते हुए और भारत सरकार के विसं भंत्रालय (राजस्व विभाग) की अधिसूचना सं. 216/95-सीमाशुल्क, दारीब 3 जुलाई, 1985 को अधिकान्त करते हुए यह समाधान हो जाने पर कि सोकाहित में ऐसा करना आवश्यक है, 10 टन से अधिक क्षमता वाले फोर्कलिप्ट द्रक्कों के विनिर्माण के लिए अपेक्षित संघटकों को, तब जब भारत में उनका आयात किया जाए, सीमाशुल्क के उतने भाग से, निम्न-यित्रित शर्तों के अधीन रहते हुए, छूट देती है, जो 45 प्रतिशत की दर पर संगणित रकम से अधिक है; अर्थात् :—

(1) इस अधिसूचना में अंतिम छठे केवल ऐसे फोर्कलिप्ट द्रक्कों के विनिर्माण के लिए अपेक्षित संघटकों को साझे होंगी जो

तकनीकी विकास महानिदेशालय के औद्योगिक समाजकार या अपर औद्योगिक समाजकार द्वारा प्रगतिशील सूचियों के ८१२२ नं. :

(2) आयातकर्ता सीमाशुल्क सहायक कलकटर के समक्ष उक्त संघटकों की निकामी के समय यह साध्य प्रस्तुत करेगा कि उसके पास उद्योग विकास विभाग और तकनीकी विकास महानिदेशालय द्वारा ऐसे फोर्कलिप्ट द्रक्कों के निर्माण के लिए सम्यक रूप से अनुमोदित कार्यक्रम है; और

(3) आयातकर्ता इस आयात का एक अन्वयित देश है कि :—

(क) उक्त संघटकों का प्रयोग उपरोक्त विनिर्विषट प्रयोजनों के लिए किया जाएगा।

(ख) पूर्वोन्तर प्रयोजनों के लिए विनिर्माण के स्थान में अभिप्राप्त और खपत किए गए उक्त संघटकों वा लेखा सहायक सीमाशुल्क कलकटर द्वारा विनिर्विषट रीसि में रखा जाएगा;

(ग) वह तीन मास की कालावधि के भीतर या बढ़ाई गई ऐसी कालावधि के भीतर, जो सहायक सीमाशुल्क कलकटर अनुमत करे, विनिर्माण के स्थान की परिसरों में उक्त आयातित माल

की प्राप्ति के साथ-स्वरूप विनियोग द्वारा समयक रूप से प्रमाणित ऐसे नेटो का उद्धरण प्रस्तुत की जाएगा ; और

(ब) वह, उपरोक्त (क), (ब) या (ग) का अनुपालन करने में असफल रहने की दशा में, मात्र किए जाने पर, उनीं रकम का संदाय करेगा, जो यदि इसमें अंतरिक्ष लूट न होती, तो उक्त आवासिन माल की ऐसी मात्रा पर उत्पत्तीय शुल्क और आवास के सभी पहले ही संदर्भ शुल्क के बाब अंतर के बराबर हो।

2. यह अधिसूचना 31 मार्च, 1990 तक, जिसके अंतर्गत यह नारीख भी सम्मिलित है, प्रवृत्त होगी।

[फ. सं 346/165/88-टी.आर.यू.]

MINISTRY OF FINANCE
(Department of Revenue)

New Delhi, the 29th September, 1988

NOTIFICATION

No. 269/88-CUSTOMS

G.S.R. 963(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 25 of the Customs Act, 1962 (52 of 1962), and in supersession of the notification of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Revenue) No. 216/85-Customs, dated the 3rd July, 1985, the Central Government, being satisfied that it is necessary in the public interest so to do, hereby exempts components required for the manufacture of forklift trucks having a capacity exceeding 10 tonnes, when imported into India, from so much of that portion of the duty of customs as is in excess of the amount calculated at the rate of 45 per cent subject to the following conditions, namely :—

- (i) the exemption contained herein shall be applicable only to those components required for the manufacture of such forklift trucks, which are covered by lists certified by the Industrial Adviser or the Additional Industrial Adviser of the Directorate General of Technical Development.
- (ii) the importer shall produce evidence to the Assistant Collector of Customs at the time of clearance of the said components to the effect that they have a programme duly approved by the Department of Industrial Development and the Directorate General of Technical Development for the manufacture of such forklift trucks; and
- (iii) the importer shall furnish an undertaking to the effect that—
 - (a) the said component parts will be used for the purpose specified above;
 - (b) an account of the said component parts received and consumed in the place of manufacture for the said purpose shall be

maintained in the manner specified by the Assistant Collector of Customs;

- (c) he shall produce the extract of such account duly certified by the manufacturer evidencing receipt of the said component parts in the premises of the place of manufacture within a period of 3 months or such extended period as the Assistant Collector of Customs may allow; and
- (d) he shall pay, on demand, in the event of his failure to comply with (a), (b) or (c) above, an amount equal to the difference between the duty leviable on such quantity of the said imported goods, but for the exemption contained herein and that already paid at the time of importation.

2. This notification shall be in force upto and inclusive of the 31st day of March, 1990.

[F. No. 346/165/88-TRU.]

अधिसूचना

सं. 270/88-मीमांशुल्क

गा.का.नि. 964 (अ) :—केन्द्रीय सरकार, सीमांशुल्क अधिनियम, 1962 (1962 का 52) की धारा 25 का उपाय (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियाँ का प्रयोग करते हुए, अपना यह समाधान हो जाने पर कि लोकहित में ऐसा करना आवश्यक है, भारत सरकार के वित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग) की अधिसूचना सं. 20/88-मीमांशुल्क, तारीख 1 मार्च, 1988 में निम्नलिखित और संशोधन करती है, अयति :—

उक्त अधिसूचना की शार्त (i) में शब्द "समाहाकार" के बाद "या विकास आयुक्त (मणि उर्ध्वोग) में औद्योगिक समाहाकार" शब्द और "त्यापित की जाएगी।

[फ. सं. 346/209/88-टी.आर.यू.]

टी. जयरामन, अधर मंत्री

NOTIFICATION

No. 270/88-Customs

G.S.R. 964 (E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 25 of the Customs Act, 1962 (52 of 1962), the Central Government, being satisfied that it is necessary in the public interest so to do, hereby makes the following further amendment in the notification of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Revenue) No. 20/88-Customs, dated the 1st March, 1988, namely :—

In condition No. (i) of the said notification after the words "Technical Development", the words "or Industrial Adviser in the office of the Development Commissioner, Small Scale Industries" shall be inserted.

[F. No. 346/209/88-TRU]

T. JAYARAMAN, Under Secy.